



श्री श्याम आरती



ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
रतन जड़ित सिंहासन, सिर पर चंवर ढुरे।
तन केसरिया बागो, कुंडल श्रवण पड़े ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे।
खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जले ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
मोदक खीर चूरमा, सुवरण थाल भरे।
सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
झांझ कटोरा और घड़ियावल, शंख मृदंग घुरे।
भक्त आरती गावे, जय-जयकार करे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
जो ध्यावे फल पावे, सब दुःख से उबरे।
सेवक जन निज मुख से, श्री श्याम-श्याम उचरे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
श्री श्याम बिहारी जी की आरती, जो कोई नर गावे।
कहत भक्तजन, मनवांछित फल पावे ॥

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे।
खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे॥

ॐ जय श्री श्याम हरे...॥

1

सौजन्य से:

धर्मयात्रा (DharmYaatra)

वेबसाइट: <https://dharmyaatra.in/>

व्हाट्सएप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🙏, धार्मिक कथाएं ॐ, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🏰, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘, घरेलू नुस्खे 🍲, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं 🌀 (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

[व्हाट्सएप ग्रुप](#)

[व्हाट्सएप चैनल](#)

[फेसबुक पेज](#)

[इंस्टाग्राम प्रोफाइल](#)